विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖अमरावती,गुरूवार 3 से 9 सितंबर 2026 ❖वर्ष :17 ❖अंक- 12 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जीवन में माता-पिता आदर्श मिलें और पत्नी समझदार मिले तो किसी भी समस्या से मन कभी विचलित नहीं होता है. माता-पिता की सेवा करने वाले पुत्र के लिए किसी तीर्थक्षेत्र में जाने की जरूरत नहीं होती है. उसी तरह सदाचारी पति की सेवा अगर पत्नी ईमानदारी और पूरे समर्पण के साथ करती है तो उससे बड़ा पुण्यवान कोई नहीं हो सकता है. लेकिन दुर्भाग्य पति की नहीं सुनने वाली तमाम तीर्थ कर गौरवान्वित महसूस करती है.

17 साल से पैरों पर खड़े नहीं हो पा रहे हैं नागेश

विदर्भ स्वाभिमान,2 सितंबर

मुंबई- अति उत्साह कभी-कभी जीवन और परिवार की खुशियों का दुश्मन बन जाता है. इसी तरह की एक घटना में दहीहंडी में घायल युवक नागेश 17 वर्ष से अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो पा रहा है. मां ने महाराष्ट्र सरकार से मदद की गुहार लगाई है. महाराष्ट्र के भिवंडी में नागेश भोईर को हर जन्माष्टमी पर दही-हांडी में 'गोविंदा' बनकर हिस्सा लेना बहुत पसंद था. 'गोविंदा आला रे' के नारों के बीच दही की मटकी फोड़ने के लिए इंसानी पिरामिड पर चढ़ना उन्हें बहुत रोमांचक लगता था.इसी उत्साह के साथ 2009 में वह भिवंडी में एक इंसानी पिरामिड पर चढ़े. तभी उनका पैर फिसल गया. वह बहुत बुरी तरह नीचे गिरे और समय उनकी उम्र केवल 24 साल थी. उस हादसे को 17 साल बीच चुके हैं. अब 41 साल के हो चुके नागेश तब से अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पा रहे हैं.

नागेश की रीढ़ की हड्डी में लगी गंभीर चोट-इस हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई. आज, उनका कमजोर शरीर बिस्तर या व्हीलचेयर तक की सीमित है, उनकी जिंदगी हमेशा के लिए उस दही-हांडी वाले हादसे से पहले और बाद में बट गई है. लेकिन उस घटना ने सिर्फ नागेश की जिंदगी ही नहीं बदली, बल्कि पूरे परिवार को सालों तक भावनात्मक दर्द और आर्थिक तंगी में धकेल दिया.इन सालों में कई शेष पेज 7 पर

युवाओं के साथ परीक्षा में होता मजाक

राज्य सेवा आयोग की परीक्षा में लीक का मामला, ऋतुजा पाटील को 5 तक पुलिस हिरासत

विदर्भ स्वाभिमान,2 सितंबर

मुंबई- महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) की ड्रग इंस्पेक्टर (ग्रुप-बी) स्क्रीनिंग परीक्षा के कथित पेपर लीक मामले में सातवीं रैंक हासिल करने वाली अभ्यर्थी ऋतुजा पाटिल को अदालत ने पांच सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है.मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने उसे मंगलवार को उत्तर महाराष्ट्र के नंदुरबार से गिरफ्तार किया था. बुधवार को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शायना पाटिल ने उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया.

पेपर लीक मामले में अब तक 6 गिरफ्तार-पुलिस के अनुसार 22 मार्च को आयोजित ड्रग इंस्पेक्टर स्क्रीनिंग परीक्षा का प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले ही कुछ आरोपितों के हाथ लग गया था.आरोप है कि ऋतुजा को भी परीक्षा से पहले लीक प्रश्नपत्र उपलब्ध कराया गया था. उसे कथित तौर पर परीक्षा में 10 प्रश्न जानबूझकर गलत करने की सलाह दी गई थी, ताकि उसके प्रदर्शन पर संदेह न हो.अपराध शाखा अब यह पता लगाने में जुटी है कि उसे प्रश्नपत्र कैसे मिला और मामले में उसकी भूमिका क्या थी. इस मामले में अपराध शाखा की प्रापर्टी सेल पहले ही छह लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है. इनमें एमपीएससी के तीन अधिकारी शामिल हैं.

आरोपितों में सहायक अनुभाग अधिकारी विश्वेश्वर दत्तात्रय नाकाटे और गोपाल भट्टू मराठे, अवर सचिव अभिजीत गणपतराव लेंडवे, नंदुरबार स्थित कौटिल्य अकादमी के निदेशक प्रवीण दिलीप पाटिल तथा कथित सह-साजिशकर्ता अमृत नामदेव पाटिल और लोकेश उर्फ गौरव राजेंद्र पाटिल शामिल हैं. ऋतुजा की गिरफ्तारी के बाद मामले में गिरफ्तार आरोपितों की संख्या सात हो गई है.

अपराध शाखा के अनुसार, आरोपितों ने परीक्षा से पहले प्रश्नों तक पहुंच बनाई और उन्हें अलग सेट के रूप में तैयार कर अनधिकृत लोगों तक पहुंचाया. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि लीक प्रश्नपत्र कितने अभ्यर्थियों तक पहुंचा और इसके लिए किसी तरह का आर्थिक लेनदेन हुआ या नहीं.पेपर लीक को लेकर एमपीएससी अध्यक्ष विवेक भीमनवार के इस्तीफे की मांग के बीच उन्होंने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि घटना जनवरी 2026 की है. उन्होंने बताया कि आयोग के अध्यक्ष के रूप में 18 फरवरी को उनकी नियुक्ति हुई और तीन मार्च को उन्होंने पदभार ग्रहण किया.

उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर घटना की समयावधि को ध्यान में रखना जरूरी है. उन्होंने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद उनका ध्यान परीक्षा एवं भर्ती प्रक्रिया की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और सुरक्षा मजबूत करने पर रहा है. उन्होंने कहा शेष पेज 7 पर

त्यौहारों में नहीं बजा सकेंगे डीजे

मुंबई/अमरावती- अमरावती, नागपुर सहित अन्य शहरों में आगामी त्योहारों में जुलूस निकालने और सार्वजनिक समारोह आयोजित करने को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं. यहां जुलूस के दौरान डीजे साउंड सिस्टम, मॉडिफाइड हाई-पावर साउंड सेटअप और तेज रोशनी वाली बीम समेत लेजर लाइट के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है.नागपुर पुलिस कमिश्नर विश्वास नांगरे पाटिल ने बताया कि ये आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं.अन्य मॉडिफाइड हाई-पावर साउंड सिस्टम पर रोक 3 सितंबर से 1 नवंबर, 2026 तक लागू रहेगी, जबकि बीम और लेजर लाइट पर रोक 3 सितंबर से 8 सितंबर, 2026 तक प्रभावी रहेगी. पुलिस ने चेतावनी दी है कि इन आदेशों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

पुलिस के आदेश के मुताबिक, जुलूस के दौरान डीजे सिस्टम, साउंड सिस्टम, टॉप-मिड-बास मल्टी-स्पीकर सेटअप, प्लाज्मा साउंड सिस्टम और अन्य तेज आवाज वाले एम्प्लीफाइड साउंड इक्विपमेंट लगे मॉडिफाइड वाहनों की अनुमति नहीं होगी.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

शिक्षक ही होते हैं असली भाग्यविधाता

देश में गुरू को माता-पिता तथा भगवान से भी बड़ा माना जाता है. शिक्षक दिवस 5 सितंबर पर सभी शिक्षकों को विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं. सर्वप्रथम देश का भाग्य संवारने में सर्वोत्तम योगदान देने वाले गुरूजनों को नमन,वंदन. आदर्श गुरू मिलना किसी के भी जीवन की सबसे बड़ी बात होती है. हम सब भाग्यशाली हैं, जिन्हें जीवन में आदर्श गुरू मिले हैं. कहते हैं कि आदर्श गुरू ही जीवन को संवारने के साथ ही जीवन को खुशी देने, घर,परिवार, समाज तथा राष्ट्र के कल्याण में योगदान देने वाली पीढ़ी का निर्माण करते हैं. उन्हें किसी एक दिन में समेटना संभव ही नहीं है. लेकिन यह भी कम गर्व की बात नहीं है कि आज भी पूरे विश्व में सबसे अधिक सम्मान गुरूजनों को दिया जाता है. हमारे जीवन में भी कई गुरूजनों के कारण ही जीवन संवरा है और उन्हीं की आदर्श शिक्षा को जीवन में आजमाते हुए हजारों छात्रों का भविष्य संवारने की दिशा में प्रयास कर पा रहा हूं.

जीवन में शिक्षा का जबर्दस्त महत्व है. हर व्यक्ति के जीवन में वह शिक्षा ही है, जो उसे कामयाबी की मंजिल तक पहुंचाती है. गुरू आदर्श मिलने पर भविष्य की चिंता की जरूरत ही नहीं रहती है. शिक्षक बच्चों को तब पढ़ाना और आकार देना शुरू करते हैं, जब वो गीली मिट्टी की तरह होते हैं. हर शक्षिक के मन में एक रचनाकार होता है. ऐसा रचनाकार जो शिष्य से समाज, समाज से संस्कृति और संस्कृति से राष्ट्र का निर्माण करता है. यही कारण है कि विश्व के हर देश में शिक्षकों को सबसे अधिक सम्मान दिया जाता है. भारतीय संस्कृति में तो गुरू के स्थान को प्रभु से भी श्रेष्ठ बताया गया है. गुरू गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय, बलिहारी गुरू आपने गोविंद दियो बताए. यानी की प्रभु का रास्ता दिखाने वाले भी गुरू ही होते हैं. अपने शिक्षकों को सम्मान देने के लिये विद्यार्थियों द्वारा ये हर वर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है. 5 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में घोषित किया गया है. हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था इसलिये अध्यापन पेशे के प्रति उनके प्यार और लगाव के कारण उनके जन्मदिन पर पूरे भारत में शिक्षक दिवस मनाया जाता है. उनका शिक्षा में बहुत भरोसा था साथ ही वह अध्येता, राजनयिक, शिक्षक और भारत के राष्ट्रपति के रूप में भी प्रसिद्ध थे.उनके सम्मान में यह दिन देशभर में मनाया जाता है. सही मायने में जिस देश के शिक्षक जितने समर्पित होते हैं, वह देश उतनी ही तरक्की करता है. ऐसे में हमारा मानना है कि शिक्षकों की भावनाओं को समझने के साथ ही उनका उपयोगी पूरी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में लेना चाहिए. शिक्षकों को भी चाहिए कि वे देश के भाग्यविधाता के रूप में छात्रों को राष्ट्र प्रेम के साथ ही समर्पण की शिक्षा देते हुए उनका जीवन संवारने का काम करें. शिक्षक दिवस पर सभी गुरूजनों को शुभकामनाएं. शिक्षक दिवस पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि जीवन में सदैव गुरूजनों का सम्मान करें और उनके आदर्श आचार-विचारों को जीवन में उतारते हुए सदैव यह प्रयास करें कि गुरूजनों, माता-पिता की सीख को गंभीरता से लेते हुए अपने जीवन को धन्य करने का प्रयास करें. माता-पिता तथा गुरू की सीख में अपार ताकत होती है. इसका जीवन में अनुकरण करने पर दुनिया की कोई बला आपको छू नहीं सकती है. यह मेरा स्वयं का विश्वास है. शिक्षक ही असली मायने में देश के भाग्य विधाता हैं.

जीवन को संवारते हैं आदर्श शिक्षक

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

माता-पिता के समतुल्य और भगवान से भी बड़ा स्थान गुरूजनों यानी शिक्षकों का होता है. मैं स्वयं को भाग्यशाली समझता हूं कि पैसे कमाने के लिए रोज जमीर बेचने वालों की इस दुनिया में आज भी जमीर की आवाज सुनता हूं और मानवता की सेवा के साथ ही समाज तथा राष्ट्र के लिए यथासंभव छोटा ही सही लेकिन कुछ करने का प्रयास करता हूं. इसका पूरा श्रेय प्राथमिक शिक्षकों के साथ ही जीवन में शिक्षा देने वाले गुरूजनों को जाता है. शिक्षक दिन भले ही 5 सितंबर के दिन रहता है लेकिन ऐसा कोई पल ही नहीं हो सकता है जिसमें शिक्षकों का महत्व नहीं हो.

ज़ीवन में गुरूजनों का अत्याधिक महत्व होता है. वे लोग सही मायने में भाग्यशाली होते हैं, जिनके गुरू आदर्श होते हैं और जीवन को तारने और संवारने का काम करते हैं. भारतीय संस्कृति में गुरू के स्थान को भगवान से भी बड़ा इसलिए बताया गया है कि वे बच्चों के जीवन को संवारते हैं. गुरूजनों की महत्ता से शिष्य असंभव को भी संभव कर सकता है. जीवन में हमारे धर्मशास्त्र भी गुरूओं के महत्व से भरे पड़े हैं. गुरूजनों का जीवन सदैव कांटों के ताज जैसे होता है. शिक्षक बच्चों को आकार देता है. जिस देश के गुरू जितने समर्पित होते हैं, उस देश का विकास और प्रगति के साथ ही मानवता की सीख वहां उतनी ही बेहतरीन होती है. गुरूजनों को शिक्षक दिवस पर नमन करने के साथ ही मेरे जीवन को संवारने से लेकर जिन-जिन ने मुझे सदैव सीख दी, अनुभव दिए, ऐसे सभी गुरूजनों को नमन और वंदन.

गुरूजनों के प्रति सम्मान अर्पित करने के साथ ही कृतज्ञता जताने के लिए भारत में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है. इस दिन देश के एक महान व्यक्ति, डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन था. वो शिक्षा के प्रति अत्यधिक समर्पित थे और एक अध्येता, राजनयिक, भारत के राष्ट्रपति और खासतौर से एक शिक्षक के रूप में जाने जाते थे. एक बार, 1962 में वह भारत के राष्ट्रपति बने तो कुछ विद्यार्थियों ने 5 सितंबर को उनका जन्मदिन मनाने का निवेदन किया. उन्होंने कहा कि 5 सितंबर को मेरा जन्म दिन मनाने के बजाय क्यों नहीं इस दिन को अध्यापन के प्रति मेरे समर्पण के लिये शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाये. उनके इस कथन के बाद पूरे भारत भर में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा.

दुनिया का सबसे नेक काम

समाजसेवी तथा भारतीय जैन संगठन के माध्यम से मूल्याधारित शिक्षा को अत्याधिक महत्व देने वाले सुदर्शन गांग कहते हैं कि शिक्षकों का स्थान माता-पिता के समकक्ष होता है. बचपन में दी गई आदर्श शिक्षा ही जीवन को संवारती है और इसके कर्णधार शिक्षक होते हैं. वह भाग्यशाली हैं, जिनके जीवन में आचार-विचारों से सम्पन्न शिक्षकों का मार्गदर्शन और आशिर्वाद मिला है. किसी भी पेशे की तुलना अध्यापन से नहीं की जा सकती. ये दुनिया का सबसे नेक कार्य है.

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है. वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे. इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का अनुरोध किया.उसके बाद से लेकर अभी तक शिक्षक दिवस मनाया जाता है. स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम होते हैं, छात्रों को गुरूजनों के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए कहा जाता है. गुरूजनों के चरणों में विनम्र नमन के साथ ही सभी गुरूजन स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों मेंयही कामना. गुरूजनों के सम्मान में शब्द कम पड़ जाते हैं.

धर्म-कर्म-प्रेम के त्रिवेणी संगम भगवान श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष लेख

सनातन धर्म और करोड़ों हिंदुओं के जनमानस में महानायक के रूप मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपार आस्था, सम्मान और सद्भावना के साथ भक्तिभाव रहना इस बात का परिचायक है कि दोनों महानायकों ने परमात्मा रहकर भी मानव अवतार में जिस तरह से मानवता,सेवा,कर्म के महत्व का संदेश पूरे विश्व को दिया, वह विश्व के और किसी देश के नसीब में नहीं रहने की बात कहना गलत नहीं होगा. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर पर हमारी करोड़ों श्रीकृष्ण भक्तों को विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार की शुभकामनाएं. देश में जिस तरह से आज भी करोड़ों लोग दोनों ही महानायकों के आदर्श जीवन और आचरण को जीवन में उतारते हैं, वह उनके प्रति अपार निष्ठा,भक्तिभाव का ही परिचायक कहा जा सकता है. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि सत्य, धर्म, प्रेम और कर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला पावन पर्व है. भाद्रपद कृष्ण पक्ष की

अष्टमी तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व देशभर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है. मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और झांकियों का आयोजन होता है तथा मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का उल्लास देखते ही बनता है.भगवान श्रीकृष्ण का जीवन अनेक आदर्शों का संगम है. उन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरूद्ध धर्म की स्थापना का संदेश दिया. बाल्यकाल की उनकी लीलाएं प्रेम, सरलता और आनंद का प्रतीक हैं, वहीं महाभारत के प्रसंगों में उनका व्यक्तित्व नीति, विवेक और कर्तव्य का मार्गदर्शक बनकर सामने आता है.

श्रीकृष्ण ने श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से मानव जीवन को कर्म का महान संदेश दिया. उनका संदेश है कि मनुष्य को अपने कर्तव्य का पूरी निष्ठा से पालन करना चाहिए और परिणाम की चिंता में अपने कर्म से विमुख नहीं होना चाहिए. आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में यह विचार विशेष रूप से प्रासंगिक है.

जन्माष्टमी हमें यह भी सिखाती है कि कठिन परिस्थितियां चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हों, सत्य और धर्म का मार्ग कभी नहीं छोड़ना चाहिए. श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि बुद्धि, संयम, प्रेम और साहस के साथ चुनौतियों का सामना किया जा सकता है.आज आवश्यकता है कि जन्माष्टमी का उत्सव केवल पूजा और उत्सव तक सीमित न रहे. हम श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने व्यवहार में उतारें, जरूरतमंदों की सहायता करें, समाज में प्रेम और सद्भाव बढ़ाएं तथा अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार रहें.

भगवान श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना और राक्षसों के विनाश के लिए जन्म लिया और उन्हों ने श्रीमद् भागवत गीता के माध्यम से समूचे विश्व को जो संदेश दिया, वह महान है. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का वास्तविक संदेश यही है धर्म के साथ कर्म, जीवन में प्रेम और मन में विश्वास. भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं को अपनाकर हम स्वयं के साथ-साथ समाज और राष्ट्र को भी मजबूत कर सकते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010/ 43881

पीएसआई छगन शिंगणे सेवानिवृत्त, किया सत्कार

अचलपुर- जीवनपुरा निवासी एवं नागपुर पुलिस दल में कार्यरत पुलिस उपनिरीक्षक छगन नथ्थुसिंग शिंगणे 35 वर्ष की गौरवपूर्ण सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए. सेवाकाल में उन्होंने चुनौतीपूर्ण मामलों की जांच कर कई अपराधों का सफल खुलासा किया. उनकी ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा के लिए उन्हें 150 से अधिक पुरस्कार, प्रशस्तिपत्र व सम्मान मिले. सेवानिवृत्ति पर शिंगणे ने अपनी सफलता का श्रेय दिवंगत माता-पिता, भाइयों त्र्यंबकसिंग व दिनुसिंग शिंगणे, पत्नी माया शिंगणे और परिवार को दिया.

कार सब्जी की दुकान में घुसी

परतवाड़ा-अमरावती मार्ग पर अचलपुर शहर के विदर्भ मिल परिसर में 2 सितंबर की रात एक अल्टो कार सब्जी की दुकान में जा घुसी. हादसे में चालक और एक यात्री घायल हो गए. कार क्रमांक एमएच 30 एए 4081 बताया गया है. सौभाग्य से रात का समय होने से बड़ा हादसा टल गया, वर्ना बड़ा अनर्थ होने से इंकार नहीं किया जा सकता था. घटना के बाद मौके पर नागरिकों की भीड़ जमा हो गई. हादसा किस कारण हुआ, इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हैं.

विदर्भ मिल परिसर में सड़क किनारे बड़ी संख्या में दुकानें हैं. इस मार्ग पर बस, ऑटो, चारपहिया और दोपहिया वाहन अक्सर सड़क के बीच खड़े रहने से यातायात प्रभावित होता है. इसके चलते यहां छोटे-बड़े हादसे होना आम बात हो गई है. ताजा हादसे के बाद यातायात व्यवस्था और सड़क पर बेतरतीब खड़े वाहनों पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं.

शहर में मौसम की आंखमिचौली जारी

अमरावती- शहर में मौसम की आंखमिचौली का खेल लगातार जारी है. यही कारण है कि कभी बारिश, कभी बादल और कई बार दिनभर बादल रहने के बाद भी बारिश नहीं होने से लोगों के साथ ही किसानों में भी चिंता व्याप्त है. लोगों के मुताबिक मौसम में आ रहा बदलाव भविष्य के लिए खतरनाक संकेत कहना गलत नहीं होगा. सोमवार, मंगलवार के बाद बुधवार को सुबह से लेकर शाम तक बादल छाये थे लेकिन किसी तरहकी बारिश नहीं हुई.

मौसम विशेषज्ञ प्रा.अनिल बंड के मुताबिक मौसम में होने वाला बदलाव बदलते मौसम के गणित का जहां परिचायक है, वहीं दूसरी ओर पिछले साल की तुलना में इस साल कम बारिश के कारण कई समस्याएं भी पैदा हो सकती है. हर साल इस समय तक भरने वाला और कई गेट खोलने वाला अप्पर वर्धा बांध अभी भी दमदार बारिश का इंतजार कर रहा है. कम बारिश का सिंचाई पर भी असर पड़ेगा.

151 श्याम प्रेमियों की खाटू धाम यात्रा,51 को निशुल्क यात्रा का सौभाग्य

2 से 7 अक्टूबर तक निकलेंगे भक्त तीर्थयात्रा पर,सांवरिया सेठ व उज्जैन महाकाल के होंगे दर्शन

विदर्भ स्वाभिमान,2 सितंबर

अमरावती-धार्मिक कार्यों में अग्रणी श्री श्याम सांवरिया परिवार द्वारा 2 से 7 अक्टूबर तक खाटू धाम यात्रा का आयोजन किया गया है. यात्रा में 151 श्याम प्रेमी खाटू श्याम जी, सांवरिया सेठ और उज्जैन महाकाल के दर्शन करेंगे. यात्रियों के आने-जाने, ठहरने और भोजन की व्यवस्था परिवार की ओर से की जाएगी.

धार्मिक-सामाजिक उपक्रम के तहत 51 श्रद्धालुओं को निशुल्क यात्रा कराने का निर्णय लिया गया था. इनका चयन 27 अगस्त को श्री सतीधाम मंदिर में पारदर्शी लकी ड्रॉ के माध्यम से किया गया. इस अवसर पर भजन-कीर्तन भी आयोजित था, इसका राजा चंदर सहित उपस्थित भक्तों ने लाभ लिया.

लकी ड्रॉ में शहर के अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्याम प्रेमी उपस्थित रहे. परिवार के कुणाल सोनी, प्रवीण (बबलू) पांडे, दीपक उपाध्याय, महेश शर्मा, राजेश चांडक, मयूर सोनी, रवि ओझा, प्रथमेश काले, स्वराज सहाने सहित सदस्यों ने आयोजन में सहयोग किया. चयनित सभी 51 श्रद्धालुओं से संपर्क किया जा चुका है. यात्रा संबंधी आवश्यक जानकारी उन्हें समयानुसार दी जाएगी. साथ ही, जिन श्रद्धालुओं का इस बार चयन नहीं हो पाया, उनके लिए भविष्य में भी ऐसी निशुल्क धार्मिक यात्रा आयोजित करने का मानस जताया गया. इस पहल की सर्वत्र सराहना की जा रही है.

आग से नवजातों को बचाने वाले जीवनदाताओं का सम्मान किया गया

अमरावती- महाराष्ट्र राज्य सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संगठन की अमरावती जिला शाखा की ओर से आरोहण 2.0 सम्मेलन में अपनी जान पर खेलकर मरीजों की रक्षा करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों का सत्कार किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत स्व. डॉ. संदीप हाडे को श्रद्धांजलि अर्पित कर हुई.

पूर्व मंत्री एवं सांसद डॉ. अनिल बोंडे के हाथों उद्घाटित कार्यक्रम में विधायक रवि राणा और विधायक प्रताप अडसड सहित स्वास्थ्य क्षेत्र के अनेक गणमान्य उपस्थित रहे. इस अवसर पर जिला महिला अस्पताल में आग की दुर्घटना के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना नवजात बच्चों की जान बचाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को जीवनदाता अवॉर्ड से सम्मानित किया गया.चिखलदरा में भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल मरीज की जान बचाने वाले डॉ. प्रताप खंडारे तथा मेलघाट में रक्ताल्पता से पीड़ित मरीजों के लिए 52 बार रक्तदान करने वाले डॉ. अंकुश मानकर को भी सम्मानित किया गया.

गरीबों के लिए मुख्यमंत्री ने की कई घोषणाएं

ग़रीब परिवारों को साल में मिलेंगे 3 सिलेंडर मुफ्त, अन्नपूर्णानी सुपर सिक्क जारी रहेगी

चेन्नई- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने विधानसभा में कई बड़े ऐलान किए हैं. सरकार ने गरीब परिवारों को साल में तीन मुफ्त ख्रुक्रसिलेंडर देने की योजना का ऐलान किया है. 'अन्नपूर्णानी सुपर सिक्स' नाम की यह योजना पोंगल 2027 से शुरू होगी. इसके तहत सालाना 2.5 लाख रुपये से कम आय वाले परिवारों को हर साल तीन सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे. सरकार के मुताबिक, इस योजना से करीब 1.30 करोड़ परिवारों को फायदा मिलेगा. इसके लिए राज्य के खजाने से हर साल करीब 4 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है. मुख्यमंत्री विजय ने बताया कि लाभार्थियों को सिलेंडर खरीदने के बाद उसकी कीमत सीधे उनके बैंक अकाउंट में जमा की जाएगी. हर साल तीन सिलेंडर मुफ्त में मिलेगा.

विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा को लेकर भी बड़ा ऐलान किया. उन्होंने कहा कि महिलाओं को सिर्फ सामान्य बसों में ही नहीं, बल्कि एक्सप्रेस, ख्र्व्ह और डीलक्स बसों में भी मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी. इसके अलावा अंतर-जिला बसों में भी महिलाओं को 'वेट्री पयाना थिट्टम' के तहत मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी. इस योजना को 2 अक्टूबर से शुरू किया जाएगा. मुख्यमंत्री विजय ने कहा कि ट्रांसजेंडर यात्रियों को भी मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाएगी. सरकार के इन फैसलों को राज्य में महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है.

चेन्नई के परंदूर में प्रस्तावित नए एयरपोर्ट को लेकर भी विजय ने सरकार का रुख साफ कर दिया. उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे स्थान की तलाश कर रही है, जहां एयरपोर्ट बनने से परिवार प्रभावित न हों. उन्होंने कहा कि परंदूर एयरपोर्ट का स्थानीय लोगों ने विरोध किया था और वह प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं. विजय ने कहा कि सरकार ने नए एयरपोर्ट के लिए कुछ वैकल्पिक जगहों की पहचान की है. उन्होंने दोहराया कि परंदूर में एयरपोर्ट बनाने के पक्ष में सरकार नहीं है. साथ ही चेन्नई के मौजूदा मीनांबक्कम एयरपोर्ट पर नया टर्मिनल-5 बनाने का भी ऐलान किया गया. मुख्यमंत्री विजय ने किसानों का जिक्र करते हुए कहा कि किसान देश की रीढ़ हैं और विकास के नाम पर उनके हितों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता. ऐसे में एक तरफ गरीब परिवारों के लिए मुफ्त सिलेंडर और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का ऐलान हुआ है, वहीं परंदूर एयरपोर्ट को लेकर सरकार ने स्थानीय लोगों के पक्ष में अपना रुख दोहराया है.

उदयनिधि ने विजय सरकार को बताया 'सोफा मॉडल'-तमिलनाडु में परंदूर एयरपोर्ट परियोजना को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है. डीएमके नेता और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने परियोजना रद्द करने के फैसले पर सरकार की कड़ी आलोचना की है. उन्होंने मौजूदा सरकार को सोफा मॉडल सरकार बताते हुए कहा कि चेन्नई के विकास के लिए जरूरी इस प्रोजेक्ट को रोकना सही फैसला नहीं है. उन्होंने दावा किया कि एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया यानी ऋढ्ढ, मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन और दूसरी संबंधित एजेंसियां इस परियोजना को लेकर अध्ययन कर चुकी हैं और जरूरी मंजूरियां भी दी जा चुकी हैं. स्टालिन के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण, मुआवजा, पुनर्वास और दूसरी जरूरी प्रक्रियाओं पर सरकार पहले ही काफी काम कर चुकी है. उदयनिधि ने कहा कि जमीन अधिग्रहण के दौरान प्रभावित लोगों को बाजार मूल्य से तीन गुना तक मुआवजा देने की व्यवस्था की गई थी. इसके अलावा इन कामों पर सरकारी धन भी खर्च किया गया. ऐसे में अब परियोजना को रोकने से सरकार को बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है. उन्होंने सरकार के फैसले को छोटी राजनीतिक वजहों से लिया गया फैसला बताते हुए कहा कि इसका असर सिर्फ एयरपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगा. उनके मुताबिक, अगर चेन्नई में आधुनिक एयर कनेक्टिविटी नहीं बढ़ी तो शहर के आसपास निवेश करने वाली कंपनियां दूसरे राज्यों का रुख कर सकती हैं. वहीं, नई कंपनियां भी चेन्नई में निवेश करने से पीछे हट सकती हैं. उदयनिधि ने कहा कि परंदूर एयरपोर्ट तमिलनाडु के भविष्य से जुड़ा प्रोजेक्ट है और राज्य के युवाओं, रोजगार और इंडस्ट्रियल विकास को ध्यान में रखते हुए सरकार को परियोजना जारी रखने के लिए कदम उठाने चाहिए.

ज़ीतेन्द्र मिश्रा संभालेंगे श्रीराम मंदिर ट्रस्ट,सिंदूर ऑपरेशन में किया कमाल

अयोध्या-अयोध्या में जगविख्यात श्रीराम मंदिर की कमान अब सिंदूर ऑपरेशन में कमाल दिखा चुके सेवानिवृत्त एअर मार्शल जीतेन्द्र मिश्रा संभालेंगे. वे ट्रस्ट के पहले सीईओ नियुक्त किये गए हैं. कुछ महीने पहले भारी गड़बड़ी के आरोपों के बीच ट्रस्ट ने बुधवार को इसकी घोषणा की. सीईओ पद के लिए 5000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे, इसमें जीतेन्द्र मिश्रा का चयन किया गया. मूल उत्तर प्रदेश में देवरिया निवासी जीतेन्द्र मिश्रा 1986 में भारतीय वायुसेना में फाइटर पाइलट के रूप में शामिल हुए थे. पाकिस्तान के साथ ऑपरेशन सिंदूर में उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया. उन्हें अभी तक कई पुरस्कार भी प्राप्त हो चुके हैं.

तुम्हारे लौटने से मुझे बहुत संतोष

भोजनोपरांत उन्हें चंदन, पुष्प, फल, तांबूलादि दिलाकर सत्कार किया. तब सभी संतुष्ट होकर विनय के साथ नमस्कार करके लक्ष्मी और नारायण की आज्ञा से अपने-अपने निजी वासों पर लौट गए. तब श्री वेंकटेश्वर ने लक्ष्मी और पद्मावती के साथ रहते सुख-स्थिति को प्राप्त किया. तदुपरांत एक दिन विनोद में सिरि को देखकर श्रीनिवास ने इस रूप में कहा.

आनंद निलय में लक्ष्मी वेंकटेश्वर के विनोदमय संभाषण-'हे श्री रमादेवी ! तुम्हारे लौट आने से मुझे बहुत संतोष हुआ है. उस समय कुबेर के द्वारा लिए गये उधार को कैसे चुकाना है. हे इंदुवदन ! कोई उपाय बताओ.' ऐसा विनोद से हरि के पूछने पर तब लक्ष्मी ने कहा. 'उधार लेते समय मुझसे पूछा है क्या?' हँसते हुए फिर से कहा. 'हे महान ! विवाह के लिए मेरे आने पर धन मुझसे माँगने में क्या गलत था? तब मांगे होते तो मैं प्रेम से क्या नहीं देती? तब आपने मुझे हल्का लेकर कुबेर से 'अपने विवाह के लिए धन की मांग' करके हे जगन्नायक ! उधार लेने की क्या जरूरत थी? इस काम के लिए मैं क्या कहूँ? तब ऐसा व्यवहार करने के कारण ही आपको कपटात्मा समझ कर करवीरपुर में चली गयी. हे महात्मा ! फिर वहाँ से नहीं रह पाने की स्थिति में पाताल चली गयी थी.' यह सुनकर विष्णु ने ऐसा कहा. 'मुझसे अलग होने की चिंता में तुम थी. इसलिए विवाह के लिए आवश्यक धन की मांग मैं कैसे कर सकता था? इसलिए हे रमा ! उसे गलत समझकर मुझे हलका मत समझो.' हरि के इस रूप में कहने पर सुन कर लक्ष्मी ने कहा. उस समय उस रीति में हुआ है न? तब से ब्याज बढ़ता रहा है न? अपनी मर्यादा को बचाने के लिए जितना धन आप चाहते हैं हे स्वामी ! उतना धन मैं आज आपको दूँगी. तब उसका उधार चुकाइए स्वामी ! इन बातों को सुनकर हरि को संतोष हुआ. फिर इस रूप में कहा. 'तुम्हारी महिमा को क्या मैं जानता हूँ? अब नया क्या है? अब कुबेर को धन क्यों देना है? उस दिन की सम्मति के अनुसार ब्याज क्रम से देते हुए कलियुग के

झ1:24 घ, 7/15/2026ट

द्मत्द्धइड्डद्वडड्ड522: अंत तक पूरा चुकाकर आराम के साथ बैकुंठ लौट सकते हैं. तब तक इसी शेषाचल पर ही रहते हुए धरती के जनों का उद्धार करते हुए उनके पापों को दूर करते रहेंगे. ऐसे काम और भी कई हैं. इसलिए शीघ्र उधार चुकाने की जरूरत नहीं है. वह इसलिए है कि सुनो. कलियुग में पाप कर्म करनेवालों को रोगादि आंदोलन अनेक होंगे. तब वे डरकर मेरी शरण में आयेंगे. वे मुझसे मनौतियाँ मांगेंगे. तब उनकी आपदाओं को दूर किए बिना चुप रहना ठीक नहीं होगा. इसलिए ऐसे दुष्कर्म करनेवाले लोगों को धन की ओर आकर्षित करके उनकी आपदाओं को दूर करके उनके धन को मैं पहाड़ पर पहुँचाने के लिए विवश करूँगा. फिर उनके पापात्मक धन को उन्हीं को दिलाता रहूँगा. धरती के पुण्यात्माओं के द्वारा दिए गए धन को थोडा मैं ग्रहण करके कचेर को थोडा ब्याज के रूप में चुकाते ऐसी विचित्र लीला करता रहूँगा.' हरि ने स्नेह से कहा.

फिर इस रूप में कहा. 'हे रमादेवी ! सभी को तुम धन देते रहो. उस धन को मैं यहाँ आकर्षित करता रहूँगा. फिर सुजन और दुर्जनों को देने के क्रम में मेरा शासन यहाँ पर चलाता रहूँगा. इसी रीति में हमें कलियुग को काटना होगा. इसलिए कुबेर का उधार अभी चुकाने की जरूरत नहीं है. कलियुग के अंत तक समय है. ऐसा ही उधार पत्र कुबेर को लिख कर दिया है. उसे अभी क्यों बदलना है? उसे अभी मूल को क्य लौटाना है? ऐसा सोच रहा हूँ.' कहने पर लक्ष्मी ने कहा. 'हे देव अपने मन में ऐसा विचार रखकर 'इस उधार को मैं कैसे चुकाऊँगा?' इस रूप में आज पूछने की यह विनोद लीला क्यों कर रहे हैं.' कहत लक्ष्मी के पूछने पर सुनकर हरि ने कहा. 'तुम जनों को अधिक धन दोगी तो उसे मैं ले लूँगा, हे लक्ष्मी ! ऐसी प्रार्थना तुमसे की है.

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गणेशोत्सव की तैयारी तेज, तेजी से बनाई जा रही गणेश मूर्तिया, मिट्टी के मूर्ति की मांग बढ़ी

मंडप, सजावट और मूर्तियों की बुकिंग को लेकर बढ़ी चहल-पहल

विदर्भ स्वाभिमान,2 सितंबर

अमरावती- शहर के साथ ही जिले में गणेशोत्सव की तैयारियां तेजी से की जा रही है. मूर्तियों की तैयारी के लिए मूर्तिकार जहां दिनरात प्रयास कर रहे हैं, वहीं पुलिस द्वारा शांति समिति की बैठक में गणेशोत्सव के लिए कई सूचनाएं देते हुए उसका पालन करने का आग्रह किया जा रहा है. राज्य सरकार द्वारा गणेशोत्सव को राज्य उत्सव का दर्जा देने के कारण जहां गणेश मंडलों में उत्साह है, वहीं तहसील से जिला,राज्यस्तरीय स्पर्धा का आयोजन प्रशासन द्वारा किया गया है. अमरावती शहर में खाटू श्याम से लेकर बालाजी के दर्शन कराने के लिए गणेश मंडल तैयार हो चुके हैं. मूर्तियों पर महंगाई की मार भी दिखाई दे रही है.

विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के आगमन को लेकर शहर में भक्तिमय वातावरण बनने लगा है. विभिन्न गणेश मंडलों ने उत्सव की तैयारियां शुरू कर दी हैं. मंडप निर्माण, आकर्षक सजावट, रोशनी और सामाजिक संदेश देने वाली झांकियों की रूपरेखा तैयार की जा रही

है.शहर में गणेश मूर्तियों की मांग भी बढ़ने लगी है. सोनसले मूर्तिकार, गणपति, महालक्ष्मी मूर्ति जैसे स्थानीय मूर्तिकारों के यहां गणेश प्रतिमाओं को लेकर तैयारियां दिखाई दे रही हैं.गणेश मंडलों की ओर से इस वर्ष भी धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक और जनजागरूकता से जुड़े संदेश देने वाली झांकियां प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही है. प्रशासन और गणेश मंडलों के बीच समन्वय रखते हुए शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं पर्यावरणपूरक उत्सव मनाने पर जोर रहेगा. शहर के साथ ही जिले में गणेशोत्सव को लेकर बच्चों से लेकर बड़ों में अपार उत्साह है. उत्सह के दौरान जिस तरह से बच्चों में गणेश स्थापना से लेकर मंडल में विभिन्न कार्यक्रमों का नियोजन किया जा रहा है और मंडप के साथ ही कार्यकारिणी की घोषणा की जा रही है.शहर को सांस्कृतिक तथा धार्मिक नगरी के रूप में पहचान रखती है. शहर में सैकड़ों गणेश मंडलों द्वारा गणेशजी की आराधना की जाती है. इस दौरान विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है.कई गणेश मंडलों द्वारा आजादी के बाद से ही गणेशोत्सव मनाया जा रहा है. इन मंडलों द्वारा हर साल विभिन्न आकर्षक झांकी बनाई जाती है.

ज़ीवन में ज्ञान का उजाला देने वाले समस्त शिक्षकों के चरणों में नमन,वंदन. शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

बढ़ती महंगाई से गरीब,मध्यमवर्गीय परिवारों की हालत खराब, तनाव ने जीना किया मुश्किल

महंगाई कल, आज और कल

महंगाई डायन खाय जात है तो हम अक्सर सुनते हैं. लेकिन महंगाई पर विश्लेष्णात्म यह लेख निश्चित ही महंगाई के कारण, बढ़ते खर्च के साथ ही बचतन की आदत कम होने से बढ़ते तनाव को भी बताने में काफी है. 1990 में 100 रूपए की क्या कीमत थी, थैला भर सामान आता था, आज इसकी क्या कीमतम है, इसके कारण के साथ ही भविष्य कैसा होगा, इसे सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया है. निश्चित ही बढ़ती सुविधाएं, बढ़ती स्पर्धा भी इसके लिए जिम्मेदार है. यह दो किश्तों में प्रस्तुत कर रहे हैं. इसकी विश्लेषणात्मक रिपोर्ट की दूसरी किश्त. शेष अगले अंक में

विशेष लेख- पुखराज राजपुरोहित

आज की सबसे बड़ी चिंता क्या है?

आज का मध्यमवर्गीय परिवार केवल आज का खर्च नहीं सोचता.उसे कल की भी चिंता है.बच्चे की पढ़ाई के लिए कितना पैसा चाहिए ?कॉलेज की फीस कितनी होगी ?बच्चे की कोचिंग का खर्च कितना होगा ? अपना घर कब लेना है? रिटायरमेंट के बाद कितने साल पैसा चलाना होगा ?अगर बीमारी आ गई तो ?अगर नौकरी चली गई तो ?अगर व्यवसाय बंद हो गया तो ? अगर 60 साल की उम्र में कमाने की क्षमता कम हो गई तो ? 1990 में भी ये समस्याएं थीं.लेकिन आज इनकी आर्थिक कीमत बहुत बड़ी हो गई है.और यही कारण है कि आज अच्छी कमाई करने वाला व्यक्ति भी कई बार खुद को आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करता.

आज रूपए 1 लाख की सबसे बड़ी समस्या क्या है?

मान लीजिए आज आपके पास 1 लाख हैं.आज वह 1 लाख है.अब मान लीजिए महंगाई औसतन 5 प्रतिशत सालाना रहती है.तो लगभग 10 साल बाद उसी चीजों को खरीदने के लिए करीब 11.63 लाख चाहिए होंगे.20 साल बाद करीब 12.65 लाख.30 साल बाद करीब 14.32 लाख.यानी आज के 1 लाख की परचेसिंग पावर 20 साल बाद लगभग 38,000 के बराबर रह सकती है, अगर औसत महंगाई 5 फीसदी रही.30 साल बाद यही परचेसिंग पावर करीब 23,000 के आसपास रह सकती है.यह कोई भविष्यवाणी नहीं है.यह सिर्फ गणित है.

अगर महंगाई 4 फीसदी रही तो तस्वीर थोड़ी बेहतर होगी.अगर 6 फीसदी रही तो तस्वीर और कठिन होगी.इसीलिए आज के 1 लाख को देखकर यह मत सोचिए कि मेरे पास 1 लाख हैं. सवाल यह पूछिए-20 साल बाद इन 1 लाख से मैं क्या खरीद पाऊंगा ?

यही है असली महंगाई

महंगाई का सबसे खतरनाक हिस्सा वह नहीं है जो हमें बाजार में दिखाई देता है.सबसे खतरनाक हिस्सा वह है जो हमें भविष्य में दिखाई नहीं देता. आज बच्चा छोटा है.आज स्कूल की फीस मैनेजेबल है.लेकिन दस साल बाद आज 5 लाख का इलाज महंगा लगता है.

बीस साल बाद?

आज 50 लाख का रिटायरमेंट फंड बहुत बड़ा लगता है.लेकिन 25 साल बाद ?यही कारण है कि केवल आज मेरा खर्च कितना है पूछना काफी नहीं है.हमें यह भी पूछना पड़ेगा आज से 20 साल बाद मेरा खर्च कितना होगा ?

एक अच्छी खबर भी है

इस पूरी कहानी का दूसरा पहलू भी है.भारत की अर्थव्यवस्था 1990 के मुकाबले बहुत बड़ी हुई है.भारत की प्रति व्यक्ति आय 1990 में करीब 371 डॉलर थी, जो 2025 में करीब 2,703 डॉलर हो गई.भारत ने उद्योग, सेवा क्षेत्र, तकनीक, डिजिटल भुगतान, सड़क, बैंकिंग और रोजगार के नए क्षेत्रों में बड़ी छलांग लगाई है.आज एक व्यक्ति के पास पैसे कमाने के तरीके 1990 की तुलना में कहीं ज्यादा हैं.

आज कोई व्यक्ति केवल अपने शहर की नौकरी तक सीमित नहीं है.वह ऑनलाइन काम कर सकता है.दूसरे शहर के लिए काम कर सकता है.दूसरे राज्य के ग्राहक पा सकता है.दुनिया के दूसरे देशों के लिए काम कर सकता है.छोटा व्यवसाय इंटरनेट के जरिए बड़ा बाजार खोज सकता है.यानी कमाई के अवसर बढ़े हैं.लेकिन इसके साथ एक नई समस्या भी आई है.अवसर बढ़े हैं, लेकिन मुकाबला भी बढ़ा है1990 में शायद आपके पास कम विकल्प थे.आज आपके पास हजारों विकल्प हैं.लेकिन आपके सामने हजारों प्रतियोगी भी हैं.आज सिर्फ मेहनत करना काफी नहीं है.

कई क्षेत्रों में स्कील चाहिए. नई तकनीकी समझनी पड़ती है.अपने काम को बदलते समय के साथ बदलना पड़ता है.इसलिए आज की अर्थव्यवस्था हमें एक नया सवाल पूछती है,मैं कितना काम करता हूं? इससे ज्यादा जरूरी है ी जो काम करता हूं, उसकी बाजार में कीमत कितनी है? यही फर्क भविष्य की कमाई तय करेगा.आज100 कमाने के लिए कितनी मेहनत ?यह सवाल बहुत महत्वपूर्ण है.लेकिन इसका ईमानदार जवाब यह है कि पूरे भारत के लिए 1990 और 2026 के 100 कमाने में कितने घंटे लगे का एक समान सरकारी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है.क्योंकि भारत में मजदूरी एक जैसी नहीं है.

राज्य अलग हैं.काम अलग हैं.कौशल अलग हैं.शहर और गांव अलग हैं.नौकरी और स्वरोजगार अलग हैं.इसलिए कोई भी व्यक्ति अगर बिना स्रोत के यह कह दे कि 1990 में 100 कमाने में इतने घंटे लगते थे और आज इतने घंटे तो हमें उस आंकड़े से सावधान रहना चाहिए.यही वजह है कि इस लेख में हम अनुमान को तथ्य बनाकर पेश नहीं करेंगे.

श्रीकृष्ण मंदिर माताखिड़की में जन्माष्टमी उत्सव आज

शहर के साथ ही जिले में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

मंदिरों को सजाया गया, धूमधाम से मनेगा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

विदर्भ स्वाभिमान, 2 सितंबर

अमरावती- माताखिड़की (बुधवारा) स्थित पुरातन एवं प्रसिद्ध श्रीकृष्ण मंदिर में 4 सितंबर शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जाएगा. मंदिर ट्रस्ट के अनुसार सुबह नामस्मरण, पारायण, भगवान का मंगलस्नान, उटी तथा उपहार कार्यक्रम होंगे. रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा.

राजस्थानी शैली में धौलपुरी पिंक पत्थरों से निर्मित मंदिर की भव्य वास्तुकला अमरावती शहर के आकर्षण का केंद्र है. यहां महाराष्ट्र सहित दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं.मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने इसी स्थान पर तीन दिन प्रवास किया था. भागवत कथा के अनुसार रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से तय हुआ था, लेकिन वह श्रीकृष्ण से विवाह करना चाहती थीं. रुक्मिणी ने ब्रह्मण सुदेव के माध्यम से श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर विवाह से एक दिन पहले अंबादेवी मंदिर से उनका हरण करने का आग्रह किया था. मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने अंबादेवी मंदिर से रुक्मिणी का हरण किया था.श्रीकृष्ण के प्रवास से जुड़ी मान्यता के कारण यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है. जन्माष्टमी पर आयोजित महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं से शामिल होने का आह्वान देवस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष सुभाष पावडे, उपाध्यक्ष डॉ. अशोक राऊत, सचिव एड. अरुण ठाकरे, कोषाध्यक्ष इंजीनियर एस.पी. देशमुख तथा ट्रस्टी सुशांत चर्जन, रावसाहेब राऊत और अनिल साहनी ने किया है.

विदर्भ स्वाभिमान

महत्वपूर्ण नंबर्स

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
एसीबी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

जीवन में आदर्श संस्कार के जनक होते हैं अध्यापक

शिक्षक दिन पर पंकज मुद्गल की राय

विदर्भ स्वाभिमान, 2 सितंबर

अमरावती - जीवन को संवारने का कार्य शिक्षक करते हैं और आदर्श संस्कार देने का काम भी करते हैं. जिनके जीवन में ऐसे अच्छे शिक्षक मिलते हैं, उनका जीवन संवर जाता है. गुरूजनों की भारतीय संस्कृति में महत्ता सर्वाधिक है. माता-पिता के बाद सर्वाधिक सम्मान और आदर अगर किसी को दिया जाता है तो वह शिक्षकों को ही दिया जाता है. शिक्षक ही देश के भाग्यविधाता होते हैं. बच्चों को पढ़ाने के साथ ही आदर्श संस्कार देने का काम शिक्षक ही करते हैं. इसलिए गुरूजनों का सदैव सम्मान करना चाहिए.इस आशय का आग्रह दिव्यांग सेवा में स्वयं को समर्पित करने वाले डॉ. नरेन्द्र भिवापुरकर अंध कर्मशाळा के प्रबंधकीय अधीक्षक पंकज मुद्गल ने किया. भारतीय संस्कृति में गुरू की तुलना देवताओं से भी अधिक महत्वपूर्ण रूप में की गई है. गुरूजनों को इसकी गरिमा का ख्याल रखने के साथ ही बेहतरीन पीढ़ी के निर्माण के लिए प्रयास करना चाहिए. शिक्षकों का देश के विकास से लेकर तरक्की और जागरूकनागरिक तैयार करने में सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्थान रहता है. ऐसे में उन्हें गंभीरता से लेने के साथ ही गुरूजनों का सर्वत्र सम्मान किया जाना चाहिए. उन्हें भी इसकी गरिमा का सदैव ख्याल रखते हुए काम करना चाहिए.पंकज मुद्गल ने गणेशोत्सव के उपलक्ष्य में भी सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी.5 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस के रुप में घोषित किया गया है. हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था इसलिये अध्यापन पेशे के प्रति उनके प्यार और लगाव के कारण उनके जन्मदिन पर पूरे भारत में शिक्षक दिवस मनाया जाता है. उनका शिक्षा में बहुत भरोसा था साथ ही वह अध्येता, राजनयिक, शिक्षक और भारत के राष्ट्रपति के रुप में भी प्रसिद्ध थे.उनके सम्मान में यह दिन देशभर में मनाया जाता है. सही मायने में जिस देश के शिक्षक जितने समर्पित होते हैं, वह देश उतनी ही तरक्की करता है. ऐसे में हमारा मानना है कि शिक्षकों की भावनाओं को समझने के साथ ही उनका उपयोगी पूरी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में लेना चाहिए. शिक्षकों को भी चाहिए कि वे देश के भाग्यविधाता के रूप में छात्रों को राष्ट्र प्रेम के साथ ही समर्पण की शिक्षा देते हुए उनका जीवन संवारने का काम करें. शिक्षक दिवस पर सभी गुरूजनों को शुभकामनाएं. शिक्षक दिवस पर सभी को संकल्प लेना चाहिए कि जीवन में सदैव गुरूजनों का सम्मान करें और उनके आदर्श आचार-विचारों को जीवन में उतारते हुए सदैव यह प्रयास करें कि गुरूजनों, माता-पिता की सीख को गंभीरता से लेते हुए अपने जीवन को धन्य करने का प्रयास करें.

विदर्भ स्वाभिमान

सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती.

मो.9423426199

गुरूवार 3 से 9 सितंबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियों भरा रहने वाला है. घर में मेहमानों का आगमन होगा. वाहन धीरे चलाएं और नाहक किसी से विवाद से बचें. माता-पिता तथा बुजुर्गों का आशिर्वाद चमत्कारी लाभ देने वाला है. किसी से भी नाहक विवाद नहीं करें.

वृषभ- इस सप्ताह आप नया वाहन आदि खरीद सकते है, परिवार में नया मेहमान आ सकता है. आपको कोई नए कार्य का बड़ा ऑफर आज मिल सकता है, किसी पुराने मित्र से मिलना होगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, परिवार में मांगलिक कार्य के योग बनेंगे.

मिथुन- आज का दिन आपका शानदार रहेगा, मन स्थिर और प्रसन्न रहेगा. वाणी के प्रभाव से आज आपके रुके हुए काम पूरे होंगे. किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा. आज कोई नया व्यापार आप शुरू कर सकते है, पार्टनर के स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

कर्क- आज का दिन आपका सोच विचार कर काम करने का है. आप कोई बड़ा डिसीजन व्यापार-व्यवसाय में न लें, नई साझेदारी में सावधानी बरतें. स्वास्थ्य का ध्यान रखें, पार्टनर के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी. आप आज वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें.

सिंह-आज आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें. व्यापार-व्यवसाय में अपने सहयोगी पार्टनर्स से सावधान रहें, नहीं तो आपका काम बिगड़ सकता है. कोई नया लेन-देन आज न करें, वाहन चलाते समय सावधानी बरतें.

कन्या-आज आपका मन अशांत रहेगा, व्यापार-व्यवसाय में नकसान उठाना पड़ सकता है. कोई बड़ा काम आपके हाथ से निकल सकता है. आज आप पारिवारिक मतभेद में उलझ सकते हैं. आप कोई बड़ा जोखिम आज व्यापार मे न उठाएं. पार्टनर के स्वास्थ्य के कारण चिंतित रह सकते हैं.

तुला-आज का दिन आपका बहुत अच्छा रहने वाला है, आज आप कोई नया बिजनेस शुरू कर सकते हैं. आपनों का साथ मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम होंगे. कोई नया वाहन मकान खरीद सकते हैं,किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं.

वृश्चिक-आज आप किसी अपने के स्वास्थ्य को लेकर परेशान रहेंगे, माता-पिता का स्वास्थ्य अचानक बिगड़ सकता है. व्यापार-व्यवसाय में अपने पार्टनर का आज आपको सहयोग मिलेगा. कोई बड़ा काम आज आप शुरू कर सकते हैं काम में रूकावट जरूर आएगी. वाणी पर संयम रखें.

धन-आज के दिन आप वाहन आदि के चलाने में सावधानी बरतें. किसी काम का बहुत दिनों से सोच रहे हैं आज वह काम पूरा होगा. न्यायालय पक्ष के काम में आपको नुकसान उठाना पड़ सकता है. वाणी पर संयम रखें, वाद विवाद की स्थिति में अपना बचाव करें.

मकर- सप्ताह में आपको कोई सुखद समाचार मिलेगा, परिवार में मांगलिक कार्यक्रम का योग बनेगा. आप कोई नया निवेश व्यापार-व्यवसाय में कर सकते हैं. पार्टनर का स्वास्थ्य खराब हो सकता है, पारिवारिक माहौल अच्छा रहेगा.

कुंभ-आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आप कोई नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं या व्यापार में कोई बड़ा परिवर्तन कर सकते हैं. कार्यक्षेत्र में पार्टनर का अच्छा सहयोग मिलने से कार्यक्षेत्र में लाभ होगा. परिवार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा.

मीन- इस सप्ताह स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा. आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. आप परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी में पड़ सकते हैं. संतान की चिंता बनी रहेगी, व्यापार-व्यवसाय में सहयोगी से मतभेद बढ़ सकते है, आज आप किसी नए काम के लिए विचार कर सकते हैं. पारिवारिक विवाद से दूर रहें.

आपका सप्ताह शुभ हो, विदर्भ स्वाभिमान यही कामना करता है.

अपनी जान धोखे में नहीं डालें-नागेश

पेज 1 से जारी- लोगों ने मदद का वादा किया और कुछ ने मदद के हाथ भी बढ़ाया, लेकिन नागेश के लगातार चल रहे इलाज का खर्च परिवार की क्षमता से कहीं ज्यादा हो गया है. नागेश अपने बूढ़े माता-पिता और बड़ी बहन के साथ रहते हैं. उनके पिता, जो कभी प्राइवेट सेक्टर की नौकरी से परिवार का खर्च चलाते थे, अब रिटायर हो चुके हैं.नागेश ने उन लोगों को संदेश दिया है जो दही-हांडी के जश्न में हिस्सा लेते हैं. उनकी अपील है कि जश्न मनाएं, मकाबला करें और इंसानी पिरामिड बनाए, लेकिन याद रखें कि यह एक खेल हैं और अपनी जान जोखिम में न डाले. जरा सी चूक और बड़ा हादसा हो सकता है, जो न केवल गोविंदा पर बल्कि पूरे परिवार पर असर डालती है.नागेश की मां के लिए, पिछले 17 साल अपने बेटे को उस हादसे के नतीजों से जूझते हुए देखने में बीते हैं, जो तब हुआ था जब वह सिर्फ 24 साल का था. अब, इलाज के लगातार खर्चों को उठाने में हो रही मुश्किलों के बीच, उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से भावक अपील की है.उन्होंने कहा कि हमें एक बार मिलने वाली आर्थिक मदद नहीं चाहिए. हम सरकार से गुजारिश करते हैं कि उसके हर महीने होने वाले इलाज खर्च के लिए कोई स्थायी इंतजाम किया जाए.

स्पर्धा परीक्षाओं में कब तक होगा मजाक

पेज 1 से जारी-कि सार्वजनिक भर्ती परीक्षाओं में लाखों युवाओं को निष्पक्ष और समान अवसर उपलब्ध कराना उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी है.बता दें कि ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती के लिए 29 जुलाई 2025 को विज्ञापन जारी हुआ था. 22 मार्च 2026 को राज्य के छह संभागीय मुख्यालयों पर आफलाइन स्क्रीनिंग परीक्षा हुई.12 जून को परिणाम घोषित किया गया और 506 अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए पात्र पाए गए. इनमें 488 ने एक से 22 जुलाई के बीच साक्षात्कार दिया. इसके बाद एमपीएससी ने 488 अभ्यर्थियों की अस्थायी सामान्य मेरिट सूची जारी की.इनमें 485 नियुक्ति के लिए पात्र और तीन अपात्र घोषित किए गए. हालांकि, 22 से 26 जुलाई के बीच कुछ अभ्यर्थियों और जनप्रतिनिधियों ने परीक्षा के संचालन को लेकर आयोग से ई-मेल के जरिए शिकायतें की थीं. इन्हीं शिकायतों के बाद मामले की जांच आगे बढ़ी और कथित पेपर लीक का मामला सामने आया.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर,
नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

अमरावती में स्वास्थ्य सुविधा की दिक्कत

अमरावती-संभागीय मुख्यालय रहने के बाद भी स्वास्थ्य सुविधाओं में अमरावती पिछड़ रहा है. यहां केवल घोषणाएं की जा रही हैं. लेकिन एम्स जैसी सुविधाओं की घोषणा पालकमंत्री कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्वाइन फ्लू के टेस्ट की किट तक अमरावती में उपलब्ध नहीं है. शहर के साथ ही जिले में कई स्वास्थ्य केन्द्रों में एम्बुलेंस रहकर भी किसी में डीजल नहीं तो किसी का ड्राइवर नहीं रहने की नौबत आयी है. इससे लोगों में नेतृत्व को लेकर नाराजी देखी जा रही है. स्थिति में सुधार की मांग की जा रही है.

RNI NO. MAHMIN / 2010 /43881
विदर्भ स्वाभिमान
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा
शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.
--संपर्क--
प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

72 करोड़ बचाने पुरस्कार प्रतियोगिता ही समेट दी गई क्या?

मुख्यमंत्री माझी शाला, सुंदर शाला प्रतियोगिता का परिणाम 7 महीने से प्रलंबित

विदर्भ स्वाभिमान,2 सितंबर

अमरावती- एक ओर शिक्षक दिवस को लेकर जहां शिक्षकों के प्रति सम्मान का गाजा-बाजा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर 72 करोड़ रूपए के खातिर पुरस्कार समारोह समेटने की जानकारी सामने आयी है. इससे सरकार की शिक्षा को लेकर अनास्था झलकने का आरोप प्राथमिक शिक्षक समिति ने लगाया है. स्कूलों का शैक्षणिक एवं भौतिक स्तर सुधारने के उद्देश्य से बड़े जोर-शोर से शुरू की गई मुख्यमंत्री माझी शाळा, सुंदर शाळा प्रतियोगिता का परिणाम पिछले सात महीनों से शासन के स्तर पर लंबित है. फरवरी में मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद अब तक परिणाम घोषित नहीं किया गया है. इस प्रतियोगिता के विजेता स्कूलों को लगभग 72.22 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की जानी थी. ऐसे में पुरस्कार की राशि बचाने के लिए ही शासन ने प्रतियोगिता के परिणाम को रोक रखा है क्या, ऐसा सवाल सहभागी स्कूलों की ओर से उठाया जा रहा है.

शालेय शिक्षा विभाग की ओर से पिछले तीन वर्षों से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है. शहर विभाग में तालुका, जिला और महानगरपालिका स्तर पर कुल 246 स्कूलों, जबकि ग्रामीण क्षेत्र में तालुका, जिला और विभाग स्तर पर 2,358 स्कूलों को पुरस्कार दिए जाते हैं. इसके अलावा राज्य स्तर पर छह स्कूलों का चयन किया जाता है. इस प्रकार प्रथम, द्वितीय और तृतीय क्रमांक के पुरस्कारों के लिए कुल 2,610 स्कूल पुरस्कार के लिए पात्र होते हैं.

शिक्षक, अभिभावकों में नाराजगी-प्रतियोगिता के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहे स्कूल प्रबंधन समितियों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. परिणाम घोषित करने में हो रही देरी के कारण स्कूलों के शैक्षणिक नियोजन पर भी इसका असर पड़ने की चिंता व्यक्त की जा रही है.

प्रतियोगिता के आयोजन, नियोजन, प्रचार-प्रसार और क्रियान्वयन के लिए लगभग 14.50 करोड़ रुपये की अलग से व्यवस्था की जाती है. शैक्षणिक सत्र 2026-27 में फरवरी के पहले सप्ताह तक मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी करने का नियोजन किया गया था. निर्धारित समय के अनुसार मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी भी कर ली गई, लेकिन इसके बावजूद परिणाम घोषित नहीं किया गया है.

स्कूलों की मेहनत पर पानी फिरने की आशंका-प्रतियोगिता के लिए स्कूलों ने बड़े पैमाने पर तैयारी की थी. शैक्षणिक गुणवत्ता के साथ-साथ भौतिक सुविधाओं में भी सुधार किया गया. स्कूलों ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए समय, श्रम और संसाधनों का उपयोग किया. ऐसे में परिणाम घोषित नहीं होने से स्कूलों की मेहनत पर पानी फिरने की आशंका व्यक्त की जा रही है.

क़रोड़ों रूपए जहां बाकी चीजों के लिए खर्च किया जाता है, वहीं दूसरी ओर विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित स्पर्धा के कारण विद्यालयों में सुंदरता का भाव जागा था और गांव से लेकर तहसील, जिला, विभाग और राज्यस्तर पर सुंदर शाला करने के लिए प्रयास किया जा रहा था. इस माध्यम से जिस तरह से विद्यालयों की सुंदरता के साथ ही स्वच्छता को महत्व दिया जा रहा था, उसकी भी सराहना की जानी चाहिए लेकिन निधि के लिए इससे बचने का प्रयास निश्चित ही चिंतनीय है.

शासन की प्राथमिक शिक्षा के प्रति भूमिका पर भी अब सवाल उठने लगे हैं. 72 करोड़ रुपये से अधिक की पुरस्कार राशि की घोषणा कर वास्तविक खर्च से बचने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा है? ऐसी चर्चा शिक्षण क्षेत्र में शुरू हो गई है.

स्कूलों से प्रतियोगिता के नाम पर अपेक्षाएं बढ़ाने के बाद अब पुरस्कार से वंचित रखने का प्रयास किया जा रहा है, ऐसा आरोप भी लगाया जा रहा है. राजेश सावरकर, राज्य प्रसिद्धि प्रमुख, महाराष्ट्र राज्य प्राथमिक शिक्षक समिति ने कहा कि शासन को प्रतियोगिता के परिणाम में हो रही देरी का कारण स्पष्ट करना चाहिए. स्कूलों ने प्रतियोगिता के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी की है. इसलिए शासन को बिना किसी और विलंब के परिणाम घोषित कर पात्र स्कूलों को पुरस्कार प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए.

दिल के राजा व्यक्ति हैं एड. विनोद लखोटिया

मानवता की सेवा सबसे बड़ी सेवा है. किसी रोते हुए के चेहरे पर खुशियां लाना भगवान की सबसे बड़ी पूजा है. ऐसा करने वाले को कभी भगवान नाराज नहीं होने देते हैं.यह विचार रखते हैं शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात अधिवक्ता और यारों के दिलदार यार एड. विनोद लखोटिया. यद्यपि वकील साहब दिखने में धीर-गंभीर दिखाई देते हैं लेकिन जिसे चाहते हैं, दिल से चाहते हैं और उसके लिए सदैव प्रयास करने से नहीं चूकते हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण हजारों मित्र परिवार उन्हों ने बनाएं हैं. उनकी यह खूबी है कि मिठास वाले शब्दों तथा अपनी विनम्रता से किसी पर भी छा जाते हैं. उनके जन्मदिन 31 अगस्तको हजारों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी.

माता-पिता के आदर्श संस्कार जहां उनके रग-रग में रहते हैं, वहीं जानी-मानी हस्ती रहने के बाद भी उनकी विनम्रता किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहती है. शहर ही नहीं तो तो विदर्भस्तर पर सुख्यात अधिवक्ता विनोद लखोटिया जितने बेहतरीन वकील हैं, उतने ही हंसमुख, किसी भी कानूनी पहलू का बारीक से अध्ययन करने वाले इंसान है. मानवता सेवी रहने के साथ ही माता-पिता को जीवन में अत्याधिक महत्व देते हैं. अधिवक्ता विनोद लखोटिया खुशमिजाज व्यक्तित्व के साथ ही यारों के अजीज यार के रूप में पहचाने जाते हैं. उनके मुताबिक मानवता की सेवा भी सबसे बड़ा पुण्य का काम है. उनसे इस मामले में जितना संभव होता है, करने का प्रयास करते हैं.सुख्यात वकील रहने के बाद भी वे अहंकार से कोसों दूर रहते हैं. यही कारण है कि हजारों मित्र परिवार उन्होंनजोड़ा है.वे बातचीत में कहते हैं कि हर व्यक्ति को सामाजिक दायित्व की भावना से नेक कामों में यथासंभव सहयोग देना चाहिए. समूचे विश्व को कोरोना महामारी ने यह बता दिया कि धन दौलत नहीं बल्कि किए गए नेक काम ही व्यक्ति को महान बनाते हैं. सुबह से लेकर शाम तक उनकी दिनचर्या सर्वाधिक व्यस्त रहती है. इसके बाद भी चेहरे पर थकान नहीं दिखाई देती है.

सदैव हंसमुख रहते हैं और सभी को सदैव प्रसन्न रहने की सीख देते हैं. जीवन में धन-दौलत सब यहां की जरूरत है. लेकिन किया गया काम सदैव याद रखा जाता है. यही कारण है कि जितना बन सके, नेक काम करते रहने की सलाह देते हैं.स्वभाव के सीधे-सादे लेकिन संस्कारों से परिपूर्ण व्यक्ति के रूप में उन्हें हजारों मित्र पहचानते हैं. सफलतम वकील, बेहतरीन इंसान एड. लखोटिया को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएँ. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क